

संयुक्त राष्ट्र वशिव पुनरस्थापन फ्लैगशिप्स

प्रलिस के लयि:

[संयुक्त राष्ट्र](#), वशिव पुनरस्थापन फ्लैगशिपि पुरस्कार, भूमध्यसागरीय वनों की पुनरस्थापन पहल, लविगि इंडस पहल, तराई आरक लैंडस्केप पहल, [संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम](#), [खाद्य और कृषि संगठन](#)

मेन्स के लयि:

वशिव पुनरस्थापन फ्लैगशिपि, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, संरक्षण

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र ने अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, भूमध्यसागरीय और दक्षिण पूर्व एशिया की पारस्थितिकी तंत्र के पुनरस्थापन से संबंधित पहलों को वशिव पुनरस्थापन प्रमुख पहलों (World Restoration Flagships) के रूप में मान्यता दी है।

- पारस्थितिकी तंत्र के नमिनीकरण की रोकथाम के उद्देश्य के साथ शुरु की गई ये पहलें पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देती हैं।
- इन पहलों के संयुक्त प्रयासों से लगभग 40 मिलियन हेक्टेयर भूमि की पुनरस्थापन और लगभग 500,000 रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा हाल ही में मान्यता प्राप्त 7 वशिव पुनरस्थापन फ्लैगशिपि कौन से हैं?

- भूमध्यसागरीय वनों को पुनरस्थापित करने की पहल:
 - इस पहल में लेबनान, मोरक्को, ट्यूनीशिया और तुर्की जैसे देश शामिल हैं।
 - इस पहल के अंतर्गत एक नवीन दृष्टिकोण को अपनाते हुए प्राकृतिक आवासों तथा सुभेद्य पारस्थितिकी तंत्रों को संरक्षित और पुनरस्थापित किया गया है।
 - इस पहल के तहत वर्ष 2017 से अभी तक लगभग 2 मिलियन हेक्टेयर में वसितरति वनों का पुनरस्थापन किया गया है तथा इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 8 मिलियन से अधिक क्षेत्रफल का पुनरस्थापन करना है।
- लविगि इंडस पहल:
 - वर्ष 2022 में हुए [जलवायु परिवर्तन](#) के कारण आए बाढ़ के बाद पाकिस्तान की संसद द्वारा इस पहल का अनुमोदन किया गया। आधिकारिक तौर पर इसका शुभारंभ शर्म अल-शेख में [जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क अभिसमय के पक्षकारों के 27वें सम्मेलन](#) में किया गया।
 - इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक सधु नदी बेसिन के 25 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को पुनरस्थापित करना है।
 - इसका उद्देश्य [सधु नदी](#) को संरक्षित कर उसे एक [जीवंत इकाई](#) के रूप में प्रतबिबिति करते हुए वशिव की अन्यत्र नदियों की संरक्षा करना है।
 - इसमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, बोलीविया, ब्राजील, कनाडा, इक्वाडोर, भारत, न्यूजीलैंड, पेरू और श्रीलंका जैसे देश शामिल हैं।
- एकसओन एंडनि सामाजिक आंदोलन:
 - इसका नेतृत्व एक गैर-लाभकारी संगठन, एंडयिन इकोसिस्टम एसोसिएशन (ECOAN) द्वारा किया जाता है तथा इसका लक्ष्य [दस लाख हेक्टेयर एंडयिन वन भूमि](#) की रक्षा और पुनरस्थापना करना है।
 - एंडयिन वन एक प्रकार के [उष्णकटबंधीय और उपोष्णकटबंधीय वन](#) हैं जो [दक्षिण अमेरिका](#) में एंडीज़ पहाड़ों के समतल पर स्थित हैं।
 - यह पहल [स्थानीय समुदायों के लिये भूमि स्वामित्व](#) सुरक्षित करने और वन की कटाई तथा खनन की रोकथाम में सहायता करती है।
- श्रीलंका मैंग्रोव उत्थान पहल:
 - यह [स्थानीय समुदायों के सह-नेतृत्व](#) वाला एक वजिज्ञान-संचालित कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य पारस्थितिकी तंत्र में प्राकृतिक

संतुलन पुनर्स्थापति करना है।

- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वर्ष 2015 में इसकी शुरुआत की गई तथा इसके तहत अभी तक 500 हेक्टेयर मैंग्रोव क्षेत्र को पुनर्स्थापति किया गया है।

- इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 10,000 हेक्टेयर मैंग्रोव क्षेत्र का पुनर्स्थापन करना है।

■ तराई आरक लैंडस्केप (TAL) पहल:

- इस पहल का उद्देश्य नागरिक वैज्ञानिकों, समुदाय-आधारित अवैध शिकार-रोधी इकाइयों तथा वन रक्षकों के रूप में कार्य करने वाले स्थानीय समुदायों के सहयोग से TAL के महत्वपूर्ण कॉरिडोर के वनों को पुनर्स्थापति करना है।
 - TAL का वसितार पश्चिम में यमुना नदी और पूर्व में भागमती नदी के बीच 810 किलोमी. तक है।
 - इसमें शवालिकि पहाड़ियाँ, नकिटवर्ती भाभर क्षेत्र और तराई बाढ़ के मैदान शामिल हैं, जो भारतीय राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार के कुछ हिस्सों तथा नेपाल की नमिन पहाड़ियों को समाहित करते हैं।
- इस पहल का उद्देश्य नेपाल के 66,800 हेक्टेयर वन क्षेत्रों को पुनर्स्थापति करना है जिससे अनुमानित तौर पर देश के लगभग 500,000 परिवारों की आजीविका में सुधार होगा।
 - इसके अतिरिक्त इस पहल के तहत भारत और नेपाल द्वारा साझा किये गए संबद्ध क्षेत्र में बाघों के संरक्षण का भी प्रयास किया जाता है जिसकी संख्या वर्तमान में 1,174 हो गई है।

- इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 350,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र को पुनर्स्थापति करना है।

■ रीग्रिनगि अफ्रीका एग्रीकलचर:

- इस पहल का उद्देश्य कारबन भंडारण में वृद्धिकरना, फसल और घास की पैदावार को बढ़ाना, बाढ़ के प्रतिमृदा का लचीलापन बढ़ाना तथा मृदा को नशिकति नाइट्रोजन प्रदान करना है जो प्राकृतिक उर्वरक के रूप में कार्य करता है।

■ अफ्रीका के शुष्क क्षेत्रों में वनवृद्धि की पहल:

- वर्ष 2030 तक पुनर्स्थापन का वसितार 41,000 से 229,000 हेक्टेयर तक।
- इसमें अफ्रीकी किसानों को शामिल किया गया है, जो प्रतिवर्ष लाखों पेड़ लगाते हैं।
- सतत विकास का समर्थन करते हुए 230,000 से अधिक नौकरियाँ पैदा करता है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पुनर्स्थापन फ्लैगशिप क्या हैं?

■ परिचय:

- विश्व पुनर्स्थापन फ्लैगशिप संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UN Environment Programme - UNEP) के नेतृत्व में पारस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापन पर संयुक्त राष्ट्र दशक का हिस्सा है और संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (Agriculture Organization of the UN - FAO) जिसका उद्देश्य सभी महाद्वीप और महासागर में पारस्थितिकी तंत्र के क्षरण का प्रतिकार करना है।

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2021-2030 को पारस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापन पर संयुक्त राष्ट्र दशक घोषित किया है।

- संयुक्त राष्ट्र विश्व पुनर्स्थापन फ्लैगशिप पुरस्कार के माध्यम से विश्व पुनर्स्थापन फ्लैगशिप को मान्यता देता है।

- यह पुरस्कार UNEP और FAO के नेतृत्व में पारस्थितिकी तंत्र की पुनर्स्थापन पर संयुक्त राष्ट्र दशक का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सभी महाद्वीपों तथा महासागरों में पारस्थितिकी तंत्र के क्षरण का प्रतिकार करना है।
- इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता UNO से तकनीकी और वित्तीय सहायता के पात्र बन जाते हैं।
- यह पुरस्कार एक अरब हेक्टेयर (चीन से बड़ा क्षेत्र) की पुनर्स्थापन करने की वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बाद उल्लेखनीय पहलों पर नज़र रखता है।

■ महत्त्व:

- उनकी पुनर्स्थापन की सफलता की कहानियों की वैश्विक मान्यता और उत्सव।
- प्रतिचयनित पहल (केवल विकासशील देशों के लिये) 500,000 अमेरिकी डॉलर तक की तकनीकी और वित्तीय सहायता।
- वैश्विक ध्यान और निवेश का आकर्षण।
- संयुक्त राष्ट्र दशक के प्रकाशनों, अभियानों, आउटरीच, वकालत और शिक्षा प्रयासों में विशेषता।
- महासभा में संयुक्त राष्ट्र महासचिव की रिपोर्ट में सूचीबद्ध करना।

पारस्थितिकी पुनर्स्थापन क्या है?

■ परिचय:

- यह उन पारस्थितिकी तंत्रों की पुनर्स्थापन में सहायता करने की प्रक्रिया है जो खराब हो गए हैं, क्षतिग्रस्त हो गए हैं या नष्ट हो गए हैं।

■ क्षरण के कारण:

- कटाई, सड़क निर्माण, अवैध शिकार, अत्यधिक मछली पकड़ना, आक्रामक प्रजातियाँ, भूमि साफ करना, शहरीकरण, तटीय कटाव और खनन जैसी मानवीय गतिविधियाँ पारस्थितिकी तंत्र के क्षरण, क्षरण या वनाश का कारण बन सकती हैं।

■ लक्ष्य और उद्देश्य:

- पारस्थितिकी पुनर्स्थापन का उद्देश्य पौधों, जानवरों और सूक्ष्मजीवों के लिये पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया को स्वयं पूरा करने के लिये पारस्थितिकी बनाकर पारस्थितिकी तंत्र की पुनर्प्राप्ति शुरू करना या तेज़ करना है।

■ विधियाँ एवं क्रियाएँ:

- पुनर्स्थापन में आक्रामक प्रजातियों को नष्ट करना, लुप्त प्रजातियों को पुनर्स्थापति करना, भू-आकृतियों को बदलना, वनस्पति रोपण,

जल वजिज्ञान का पुनर्यकरण करना और वन्य जीवन को फरि से शामिल करना जैसी कार्रवाइयाँ शामिल हो सकती हैं ।

- पुनरस्थापन एक बार की गतविधि नहीं है, यह पारस्थितिकी तंत्र के ठीक होने और परपिक्व होने के साथ जारी रहती है । पुनरप्राप्ति प्रक्रिया के दौरान अप्रत्याशति बाधाएँ उत्पन्न हो सकती हैं ।

■ पुनरस्थापन एवं संरक्षण:

- पुनरस्थापन संरक्षण का वकिल्प नहीं है । हालाँकि यह पारस्थितिकी तंत्र में जैवविधिता, संरचना और कार्य को बहाल कर सकता है, लेकिन इसका उपयोग वनिाश या अस्थरि उपयोग को उचति ठहराने के लयि नहीं कथिा जाना चाहयि ।

■ भारत की पुनरस्थापन पहल:

- सुदरबन मैंगरोव पुनरस्थापन ।
- जलीय पारस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लयि राषट्रीय योजना
- हरति भारत के लयि राषट्रीय मशिन (GIM) ।
- पश्चमी घाट वन परदिश्य पुनरस्थापन ।
- गरीन बाल ।
- राषट्रीय वनरोपण कार्यक्रम (NAP) ।
- राषट्रीय जैवविधिता कार्य योजना ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन-सा भौगोलिक क्षेत्र में जैवविधिता के लयि संकट हो सकते हैं? (2012)

1. वैश्वकि तापन
2. आवास का वखिंडन
3. वदिशी जातिका संक्रमण
4. शाकाहार को प्रोत्साहन

नीचे दयि गए कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

प्रश्न. जैवविधिता नमिनलखिति तरीकों से मानव अस्ततिव के लयि आधार बनाती है: (2011)

1. मृदा का नरिमाण
2. मृदा क्षरण की रोकथाम
3. अपशषिट का पुनर्यकरण
4. फसलों का परागण

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजयि:

- (a) केवल 1, 2 और 3
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1 और 4
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. भारत में जैवविधिता कसि प्रकार अलग अलग पाई जाती है? वनस्पतजिात और प्राणजिात के संरक्षण में जैव विधिता अधनियम,2002 कसि प्रकार सहायक है? (2018)

